एक नजर में

पांच दिवसीय पैदल यात्रा श्री सांवलिया दर्शन के लिए रवाना, बही चौपाटी पर हुआ भव्य स्वागत

मंदसौर। विश्व शांति, गौ-संरक्षणप, बेटी बचाओं, तुलसी लगोओ, एवं प्रयावरण संरक्षण को लेकर श्री श्री साधना केंन्द्र बही से पांच दिवसिय पैदल यात्रा श्री सांवलिया भक्ति संघ बही, मंदसौर के पं.गोपाल कृष्ण शास्त्री सानिध्य मे पांचवें वर्ष सांवलिया धाम मंडपिया तक 31 दिसबंर 25 बुधवार को प्रातः बेण्ड बाजों के साथ प्रारंभ हुई। यात्रा मे सैंकड़ो लोगो ने शामिल होकर पैदल चल कर समारोह का आनंद लिया। धर्मिक पैदल यात्रा का समासेवी पं.महेश दूबे, ठा. कृष्णपालसिंह शक्तावत मुदेड़ी, राधेश्याम मारू, दिनेश सौलंकी, ललित राठौर मिर्जापुरा, राधेश्याम गौराना रलायता, मुकेश लोहार, यशवन्त सोनी, राजेन्द्रसिंह शक्तावत, विनोद सेन आदी ने बही चौपाटी पर स्वागत किया गया। पं.गोपाल कृष्ण शास्त्री ने यात्रा शुभरारंभ से पुर्व धर्मप्रेमी जनता को संबोधित करते हुए कहा की विश्व शांति, गौ-संरक्षणप, बेटी बचाओं, तुलसी लगोओ एवं प्रयावरण संरक्षण करो जैसे उद्धेश्य को लेकर यह 105 किलोमिटर की यात्रा निकाली जा रही है जिसमे क्षेत्र के कई धर्मप्रेमीजन शामिल होकर सावलिया धाम मंडपिया मे यात्रा का समापन होगा। पैदल यात्रा का बही, बही चौपाटी, पिपलिया पंथ, पिपलिया चौपाटी जगह जगह स्वागत हुआ।

वन विभाग कर्मचारीयों का सर्विस रिकॉर्ड को ईएचआरएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण संपन्न

मंदसौर। जिला वन मंडल अधिकारी संजय रायखेरे द्वारा बताया गया कि जिला ई दक्ष केंद्र मंदसौर में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में वन विभाग के समस्त कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड को ईएचआरएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन करने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण जिला ई दक्ष केंद्र मंदसौर में मास्टर ट्रेनर सत्येंद्र राठौर द्वारा प्रदान किया गया। ईएचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से वन विभाग के समस्त कर्मचारियों का सर्विस रिकॉर्ड का डाटा डिजिटाइज़ किया जाएगा। ईएचआरएमएस न केवल ई-सेवा पुस्तिका को बनाए रखने का प्रावधान प्रदान करता है, बल्कि कर्मचारी की व्यक्तिगत जानकारी, पारिवारिक विवरण, नामांकित व्यक्ति, शिक्षा, योग्यता, स्थानांतरण इतिहास, वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट, छुट्टी रिकॉर्ड आदि भी उपलब्ध कराता है। जिससे विभाग के कर्मचारियों की समस्त जानकारी ऑनलाइन अपडेट रहेगी। जिससे प्रत्येक कर्मचारी अपने सर्विस बुक रिकॉर्ड को देख पाएगा। वन मंडल अधिकारी कार्यालय के इंचार्ज ऑफिसर एवं इंचार्ज क्लर्क को पोर्टल पर कर्मचारी के रजिस्ट्रेशन एवं जानकारी को अपडेट करने तथा सर्विस बुक अपलोड करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एसएचजी पदाधिकारियों का प्रशिक्षण

मंदसौर। नाबार्ड के तत्वावधान में ग्राम जमालपुरा में स्वयं सहायता समूह **(SHG)** की महिला पदाधिकारियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार व सूक्ष्म उद्यमों के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक **(DDM)** योगेंद्र सैनी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने की भूमिका, वित्तीय अनुशासन, बैंकिंग लिंकज एवं नाबार्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक **(RM)** धरम प्रताप सिंह ने बैंकिंग प्रक्रियाओं, ऋण सुविधा एवं समय पर ऋण चुकाने के महत्व पर प्रकाश डाला। अग्रणी जिला प्रबंधक **(LDM)** संजय मोदी ने **SHG** के माध्यम से आजीविका संवर्धन एवं सूक्ष्म उद्यम विकास की जानकारी दी। एनआरएलएम के ब्लॉक परियोजना प्रबंधक अल्केश कटलाना ने समूह सुदृढ़ीकरण, रिकॉर्ड संधारण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में अरुणोदया सर्वेशवरी लोक कल्याण समिति के परियोजना अधिकारी जितेन्द्र कसेरा एवं जिला परियोजना समन्वयक प्रवीण शर्मा भी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने डेयरी, बकरी पालन, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण जैसे छोटे व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु महिलाओं को प्रोत्साहित किया। बड़ी संख्या में उपस्थित महिला पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए स्वरोजगार अपनाने का संकल्प लिया।

शासकीय उमावि अफजलपुर में वार्षिकोत्सव

अफजलपुर/नाहरगढ। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अफजलपुर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ।जिसमें प्रथम दिवस में कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य शंकरलाल आंजना के द्वारा मां सरस्वती पूजन से किया गया विद्यार्थियों ने राष्ट्रीयता का परिचय देते हुए देश भक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार डाबर तथा राकेश पुरोहित द्वारा वर्षभर आयोजित गतिविधियों के प्रशस्ति पत्र छात्र छात्राओं को प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन रंजना राणावत एवं जितेंद्र कुमार कुमावत ने किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के भेरूसिंह डांगी,गणपतलाल शर्मा, हेमंत टांक, ममता प्रजापत, रीना पाटीदार, शीतल पाटीदार, नरेंद्र सुरोलिया, सृष्टि गौड, निशा जांगड़े, सूरज अहिरवार, रघुवीर सिंह राठौर, देवेंद्र मेरावत, हरपाल सर, कांतिलाल राठौर, रामचंद्र लोहार एवं संकुल के सभी शिक्षक शिक्षिका एवं विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार गोपाल वीर ने व्यक्त किया। उपरोक्त कार्यक्रम की जानकारी वरिष्ठ शिक्षक राधेश्याम व्यास द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी का सहभोज का आयोजन हुआ।

सृजन अभियान से 200 बच्चों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता की राह

नीमच।मध्यप्रदेश पुलिस, जनसाहस एवं उड़ान संस्थाओं की संयुक्त पहल से बुधवार को स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में सृजन किशोर-किशोरी सशक्तिकरण सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा से वंचित, ड्रॉप-आउट और कमजोर पृष्ठभूमि के बच्चों को मुख्यधारा में वापस जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में जिले भर की विभिन्न संस्थाओं ने सहभागिता करते हुए बच्चों को प्रेरक संदेश दिए। करीब 200 बच्चों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और कार्यक्रम में उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, जिला शिक्षा अधिकारी सुजानमाल मगरिया, महिला एवं बाल विकास अधिकारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बच्चों से संवाद कर शिक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित सृजन अभियान के अंतर्गत यह 18 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य उन बच्चों की पहचान करना है, जिन्होंने गरीबी, अज्ञानता या अन्य कारणों से स्कूल छोड़ दिया है। इस अभियान के माध्यम से उन्हें पुनः स्कूलों में दाखिला दिलाने, पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

सिसोदिया ने आगे बताया कि यह अभियान 31 दिसंबर से 17 जनवरी तक चलेगा, जिसमें बच्चों के लिए आउटडोर एवं इनडोर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्य, सामाजिक जिम्मेदारी, कानून की जानकारी और जीवन कौशल से भी अवगत कराया जाएगा। अभियान के तहत जिले में 200 बच्चों को लक्ष्य बनाकर उनके शैक्षणिक पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और संस्थाओं ने विश्वास जताया कि सृजन अभियान बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खाद्य सुरक्षा टीम ने तीन फर्मो का निरीक्षण किया, खाद्य पदार्थो के 6 नमूने लिए

नीमच। खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत कुमार शर्मा ने बताया, कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में शिकायत के आधार पर 3 फर्मो की आकस्मिक जांच मंगलवार को रात्रि में की गई। इस जांच कार्यवाही में टीम द्वारा 6 नमूने लिए गये है। इस जांच कार्यवाही में टीम द्वारा 6 नमूने लिए गये हैं। जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी यशवंत शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा श्री धानुका आयल प्रोडेक्ट कनावटी, श्री शाकम्भरी एग्रो इंडस्ट्रीज कनावटी एवं द शिवा बेकर्स हुडको चौराहा नीमच का निरीक्षण कर, श्री धानुका आयल प्रोडेक्ट से मूंगफली, खाद्य तेल के चार नमूने, फर्म श्री शाकम्भरी एग्रो इंडस्ट्रीज से सींगदाना का एक नमूना और द शिवा बेकर्स से चाकलेट ट्रफल केक का एक नमूना जांच के लिए लेकर राज्य प्रयोगशाला भेजा गया हैं। नमूनो को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर, आगामी कार्यवाही की जावेगी।

पार्श्वनाथ तीर्थ शिविर में 130 बच्चों ने सीखी अष्टप्रकारी पूजा

बही। बही पार्श्वनाथ तीर्थ पर आयोजित पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर के दूसरे दिन धर्म, संस्कार और साधना का अनुपम दृश्य देखने को मिला। शिविर में भाग ले रहे 130 बच्चों ने विधि-विधान के साथ अष्टप्रकारी पूजा का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस अवसर पर संघ हितचिंतक आचार्य निपुणरत्न सूरीश्वर जी म.सा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर में श्रद्धा और विधि पूर्वक की गई पूजा से मन के भाव शुद्ध होते हैं, कर्मों का क्षय होता है और आत्मा को सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था में प्राप्त संस्कार ही जीवन भर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। आचार्य श्री ने बच्चों को दैनिक जीवन में धार्मिक अनुशासन अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रतिदिन प्रातःकाल जागरण के साथ नवकार मंत्र का जाप करना चाहिए, माता-पिता के चरणों में वंदन कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए तथा शुद्ध मन और पवित्र भावों के साथ भगवान की पूजा करनी चाहिए।

उन्होंने बच्चों को अपने घर से पूजा सामग्री लाकर नियमित रूप से अष्टप्रकारी पूजा करने का संदेश दिया। आचार्य ने चंदन, केसर, धूप, दीप, अक्षत, नैवेद्य एवं फल से की जाने वाली अष्टप्रकारी पूजा का आध्यात्मिक और व्यवहारिक महत्व विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को विधि-विधान के साथ पूजा करवाई और बताया कि इस प्रकार की पूजा से मिथ्यात्व का विसर्जन होता है और सम्यक ज्ञान की प्राप्ति होती है, जिससे जीवन में सदाचार, संयम और विवेक का विकास होता है। तीर्थ अध्यक्ष श्री अशोक कुमठ ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 9 बजे सभी आराधक बच्चों ने मंदिर पहुंचकर सामूहिक चैत्य वंदन किया, जिसके पश्चात अष्टप्रकारी पूजा का विधान संपन्न हुआ। पूजा के दौरान सभी मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान नागेश्वर भाई दियावत वालों ने कराए।

बच्चों ने पूर्ण एकाग्रता और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। शिविर की दिनचर्या अत्यंत अनुशासित एवं प्रेरणादायी है। सभी बच्चे प्रतिदिन प्रातः 5 बजे जागरण कर प्रतिक्रमण, ध्यान और अन्य धार्मिक क्रियाएं कर रहे हैं। दूसरे दिन कई बच्चों ने एकाशना एवं उपवास भी किए, जिससे उनमें संयम, आत्मनियंत्रण और साधना के प्रति रुचि स्पष्ट रूप से दिखाई दी। संस्कार शिविर के संपूर्ण लाभार्थी श्रीमती मोहनबाई खुमानसिंह भंडारी परिवार के सदस्य शैलेन्द्र भंडारी ने बताया कि यह पाँच दिवसीय संस्कार शिविर का समापन 2 जनवरी को होगा। समापन अवसर पर भंडारी परिवार व बही पार्श्वनाथ तीर्थ पेढ़ी द्वारा सभी सहभागी बच्चों का बहुमान एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कल्याण मित्र परिवार के सदस्यों ने बताया कि संस्कार शिविर में बच्चों की अनुशासित दिनचर्या, धार्मिक जिज्ञासा और श्रद्धा को देखकर अभिभावकों में भी हर्ष है। सभी ने ऐसे आयोजनों को बच्चों के नैतिक, आध्यात्मिक एवं संस्कारयुक्त व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कलेक्टर , कराडिया महाराज के विशेष राजस्व शिविर में ग्रामीणों से रूबरू हुए

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नीमच। जिले में ग्रामीणों की राजस्व संबंधी विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत पंचायत कलस्टर स्तर पर विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को जीरन तहसील के ग्राम कराडिया महाराज में आयोजित विशेष राजस्व शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इस मौके पर एसडीएम संजीव साहू, तहसीलदार यशपाल मुजाल्दा एवं नायब तहसीलदार श्री शत्रुघन चतुर्वेदी, सरपंच प्रतिनिधि श्री नरेन्द्र सिह एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

इस विशेष राजस्व शिविर में 47 ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कराडिया महाराज के भगवानलाल ने अपने दिव्यांग बेटे जानकीलाल के उपचार के लिए आर्थिक सहायता का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने भगवानलाल को उसके बेटे के उपचार के लिए हर संभव मदद का विश्वास दिलाया। ग्रामीणों ने सोयाबीन फसल की क्षति का मुआवजा दिलाने के अनुरोध पर तहसीलदार को एक सप्ताह में शेष सभी किसानों की मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के कलेक्टर ने निर्देश दिए है। ग्राम के रणजीत सिह एवं नन्दूसिह ने पट्टे की जमीन पर कब्जा दिलाने के आवेदन पर कलेक्टर ने तहसीलदार को मौके पर जांच कर आवेदको को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए।

अखिल भारतीय वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ की बैठक

जिला कार्यकारिणी का हुआ विस्तार :चंद्रशेखर जायसवार

नीमच। अखिल भारतीय वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधू सिंह भाभर व राष्ट्रीय मंत्री भेरूलाल खदेड़ा ने नीमच, मंदसौर, रतलाम सहित अन्य कई जिलों की कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर एक अहम बैठक भारतीय मजदूर संघ कार्यालय गोमाबाई रोड विद्युत विभाग नीमच पर ली जिसमें सर्वप्रथम भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष नितिन साहू मीडिया प्रभारी शंभू प्रसाद शर्मा कोषाध्यक्ष पोरवाल के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष राधू सिंह भाभर व राष्ट्रीय मंत्री भैरूलाल खदेड़ा का पुष्प माला पहना मिठाई खिला भव्य स्वागत हुआ।

जिला अध्यक्ष नितिन साहू ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ देश का एक ऐसा संगठन है जो कि हर वर्गों के लोगों को साधकर व सहयोग कर चलता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राधू सिंह भाभर ने बैठक में अहम मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगठन के निर्देश अनुसार हमारे संगठन साथी देश के हर कोने में प्रवास करते हुए सभी श्रमिक मजदूरों की समस्याओं को शासन प्रशासन तक पहुंचा निराकरण करवाते हैं आज पूरे मध्यप्रदेश का दौरा करने के बाद हम नीमच जिले में पधारे हैं और आज हमने यहां अखिल भारतीय वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जिला संयोजक के रूप में दुर्गा शंकर दशाण निर्दलीय पार्षद नगर पालिका नीमच को नियुक्ति किया। इसी कड़ी में अ.भा. वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर जायसवार ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ निरंतर गरीब वर्ग मध्यम वर्ग व सामान्य वर्गों के हितों के लिए तात्पर रहता है और शासन प्रशासन की समस्त योजनाओं से उन सभी लोगों को लाभान्वित कराने का काम करता है जो कि शासन प्रशासन की योजनाओं से वंचित रह जाते हैं य वहां तक नहीं पहुंच पाते और आज हमें राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारीयों का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ है साथ ही आगामी समय में होने वाले प्रदेश स्तरीय अधिवेशन पर भी चर्चा हुई।

कार्यक्रम में उपस्थित अखिल भारतीय वनवासी कृषि ग्रामीण मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधु सिंह भाभर, राष्ट्रीय महामंत्री भेरुलाल खदेड़ा, जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर जायसवार, सचिव मोहन यादव, संगठन मंत्री विशाल राणा, भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष नितिन साहू, मीडिया प्रभारी शंभू प्रसाद शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेश पोरवाल, कृषि ग्रामीण मजदूर संघ महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती स्नेह लता राजावत, ठेकेदार मोंटू यादव, कालू लोधा, दुर्गा शंकर दशाणा पार्षद , चंद्र प्रकाश (मोमू) लालवानी, दिलीप लालवानी, लोकेश खरे, रोहित नरवाले, रईस पटवा, काबिल खान, लक्की पठान सहित कई साथीगण उपस्थित रहे।

एक नजर | पाठक मंच के अंतर्गत लाल बहादुर श्रीवास्तव की पुस्तक पर साहित्यिक विमर्श

व्यंग्य-तरंग हास्य के साथ सामाजिक कलुषों पर करती है तीखा प्रहार : गेहलोत

पिपलियामण्डी। पुस्तक पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा साहित्यिक चेतना के विस्तार के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए पाठक मंच के अंतर्गत मंदसौर जिले के वरिष्ठ साहित्यकार लाल बहादुर श्रीवास्तव (मंदसौर) की चर्चित पुस्तक 'व्यंग्य-तरंग' पर गहन एवं सार्थक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, कला, समाज और पर्यावरण से जुड़े प्रबुद्धजनों ने पुस्तक की विषयवस्तु, शैली, भाषा तथा सामाजिक प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत में पर्यावरण चिंतक भंवर सैनी फौजी (खात्याखेड़ी) ने पुस्तक पर अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि 'व्यंग्य-तरंग में वर्तमान समय में चारों ओर फैले भ्रष्टाचार की महामारी पर लेखक ने तीखे, सारगर्भित और व्यंग्यात्मक निबंधों तथा छोटी-छोटी कविताओं के माध्यम से करारा प्रहार किया है। यह पुस्तक समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती है। काश, कोई भ्रष्टाचारी इन व्यंग्यों को पढ़कर अपने चरित्र और आचरण में सुधार लाए।' उन्होंने कहा कि पुस्तक आम पाठक से लेकर बौद्धिक वर्ग तक सभी के लिए प्रासंगिक है। अंचल के चित्रकार रमेश मालेचा (पेंटर) ने कहा कि पुस्तक में निबंधों और कविताओं के साथ प्रस्तुत देवेंद्र द्वारा निर्मित चित्र एवं कार्टून पुस्तक को दृश्यात्मक रूप से अत्यंत आकर्षक बनाते हैं। भाषा की सरलता और प्रस्तुति की सजीवता पाठक को बांधे रखती है।' उन्होंने कहा कि साहित्य और कला का यह संयोजन पुस्तक को विशेष बनाता है। अशोक जैन ने कहा कि 'पुस्तक की कविताएं केवल व्यंग्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पाठक के मन में हास्य भी उत्पन्न करती हैं। 'काली लक्ष्मी के उल्लू पर सवार' जैसे प्रतीकों के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक विसंगतियों पर गहरा कटाक्ष किया गया है।' राजेंद्र कुमार कैथवास ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुस्तक की रचनाएं हर खास और आम व्यक्ति के दैनिक जीवन का प्रतिबिंब प्रतीत होती हैं। लेखक ने छोटी-छोटी कविताओं और आलेखों के माध्यम से समाज की जटिलताओं को सहजता से प्रस्तुत किया है। वासुदेव धनोतिया ने कहा कि 'पुस्तक में शामिल आलेखों के माध्यम से धार्मिक अंधविश्वास और अंध प्रवृत्तियों पर सटीक एवं साहसिक प्रहार किया गया है, जो समकालीन समाज की बड़ी आवश्यकता है। अजीत जैन पामेचा ने कहा कि ''गधों को बैठक में न भेजें साहब' जैसे व्यंग्यात्मक शीर्षकों के माध्यम से लेखक ने कार्यालयीन मानसिकता, लालफीताशाही और कार्यसंस्कृति की वास्तविक स्थिति को उजागर किया है।

> 'वहीं देवीलाल सेठिया एवं सुरेश जैन ने भी पुस्तक की विषयवस्तु को छूते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी बताया। संचालन करते हुए साहित्यकार भगवती प्रसाद गेहलोत ने कहा कि ''व्यंग्य-तरंग' पुस्तक गद्य और पद्य दोनों माध्यमों से व्यंग्य के साथ-साथ हास्य की सृष्टि करती है। इसमें शामिल 11 आलेख एवं 46 कविताएं राजनीति, प्रशासन, अंध पौराणिकता और जनदृसमाज की कार्यशैली पर तीखा व्यंग्य करती हैं। यह पुस्तक न केवल पठनीय है, बल्कि पाठक को सोचने और आत्ममूल्यांकन के लिए भी प्रेरित करती है।'